A–0177

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–501

M.A. Sanskrit (MASL)

(वेद एवं निरूक्त भाग-01)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अधोलिखित किन्हीं **दो** मंत्रों की अनुवाद सहित व्याख्या कीजिए–

(क) समानी प्रपा सह वोऽन्नभागः समाने योक्त्रे सह वोयुनज्मि।
सम्यञ्चोऽग्निं सपर्यतारानाभिमिवाभितः॥

(ख) ज्यायस्वन्तश्चित्तिनो मा वि यौष्ट संराधयन्तः सधुराश्चरन्तः।
अन्यो अन्यस्मै वल्गु वदन्त एत सध्रीचीनान् वः समनस्कृणोमि॥

(ग) अभीवर्तेन मणिना, येनेन्द्रो अभिवावृधे।
तेनास्मान् ब्रह्मणस्पतेऽभि राष्ट्राय वर्धय॥

2. इन्द्र के सोमरसपान के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

3. हिरण्यगर्भ सूक्त के अनुसार एकेश्वरवाद की व्याख्या कीजिए।

4. पृथ्वीसूक्त के महत्व पर प्रकाश डालिए।

5. व्याकरण तथा निरुक्त के अंतर सम्बन्ध में प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सत्त्व किसे कहते हैं ?

2. भाव विकारों का विवेचन कीजिए।

3. राष्ट्राभिवर्धन सूक्त का दार्शनिक महत्व बताइए।

4. नासदीय सूक्त के अनुसार सृष्टि के पूर्व की स्थिति क्या थी ?

5. अथर्ववेद के अनुसार पृथ्वी के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

6. निरुक्तानुसार आख्यात के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

7. निघण्टु किसे कहते हैं ?

8. "सर्वं नाम धातुजमाह" यह किसका मत है ? इस पर प्रकाश डालिए।

****